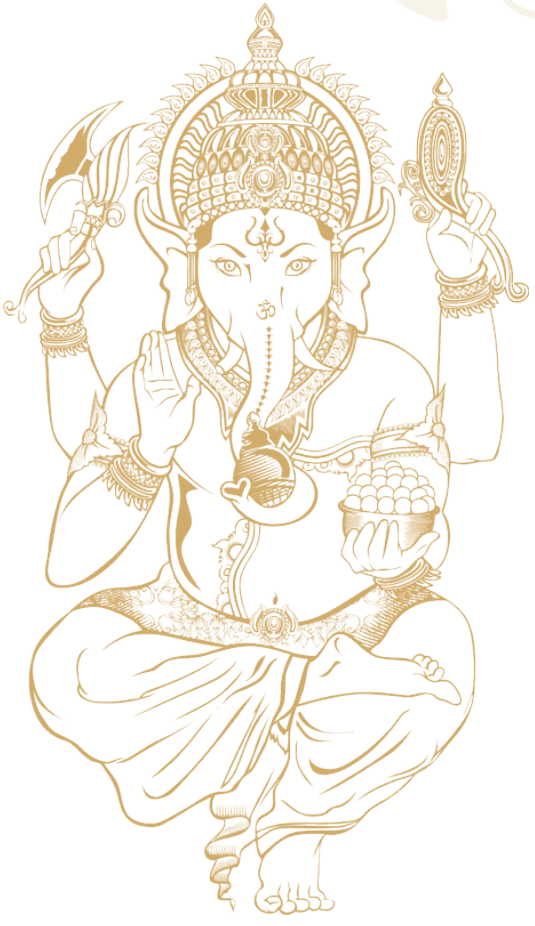

Ronak Ajmera

16 May 1998

08:30 PM

Pune

Model: web-freekundliweb

Order No: 121177807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/05/1998**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:30:00 घंटे**
इष्ट	36:13:59 घटी
स्थान	**Pune**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:34:00 उत्तर
रेखांश	73:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	11:32:22 घंटे
सूर्योदय	06:00:24 घंटे
सूर्यास्त	19:00:51 घंटे
दिनमान	13:00:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:42:38 वृष
लग्न के अंश	22:21:31 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	22:21:31	322:31:59	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
सूर्य			वृष	01:42:38	00:57:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	29:53:36	13:02:00	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल		अ	वृष	00:46:54	00:43:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
बुध			मेष	08:23:37	01:28:46	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:31:36	00:10:02	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मीन	20:44:11	01:08:48	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मेष	03:36:18	00:07:01	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		सिंह	12:57:42	00:04:32	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	12:57:42	00:04:32	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:54:39	00:00:03	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:17:29	00:00:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:10:37	00:01:36	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	28:38:34	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:55

लग्न-चलित

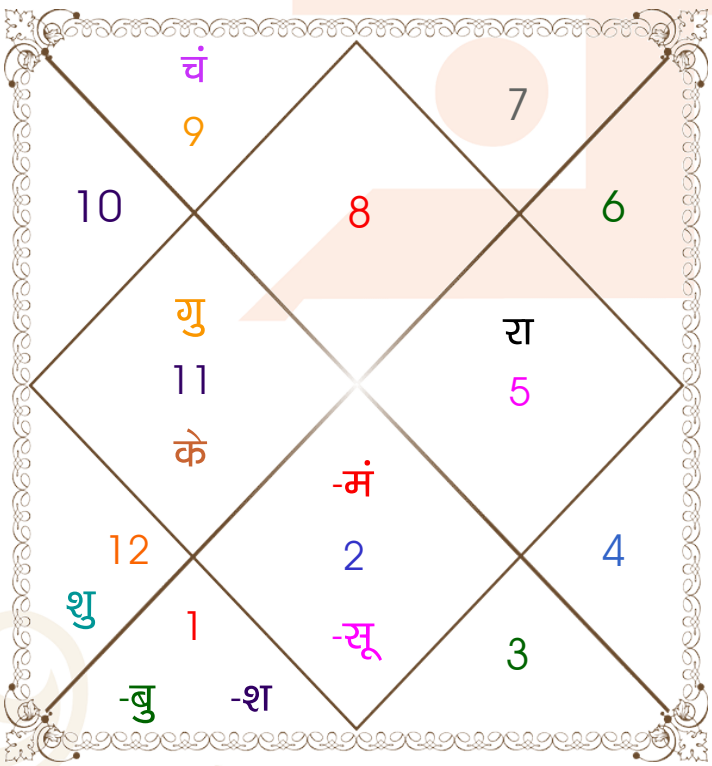

चन्द्र कुंडली

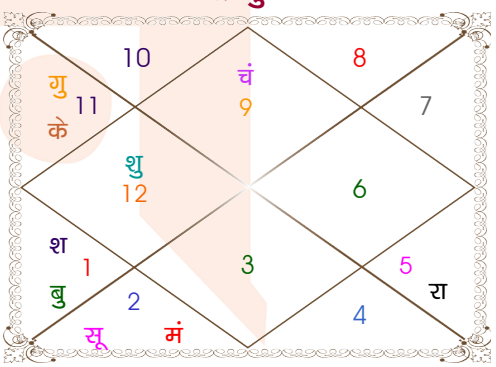

नवमांश कुंडली

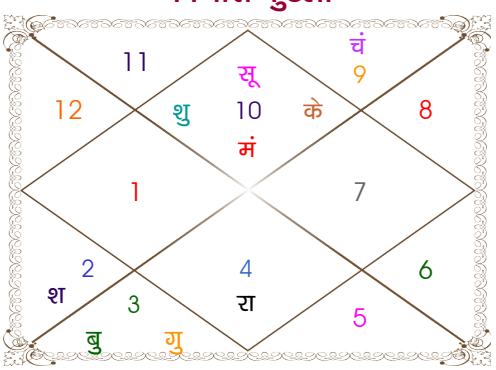

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 6 मास 17 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/05/1998		03/12/2002		02/12/2012		03/12/2019		02/12/2037	
03/12/2002		02/12/2012		03/12/2019		02/12/2037		02/12/2053	
	00/00/0000	चंद्र	03/10/2003	मंगल	30/04/2013	राहु	15/08/2022	गुरु	20/01/2040
	00/00/0000	मंगल	03/05/2004	राहु	19/05/2014	गुरु	08/01/2025	शनि	03/08/2042
	16/05/1998	राहु	02/11/2005	गुरु	25/04/2015	शनि	15/11/2027	बुध	08/11/2044
राहु	21/12/1998	गुरु	04/03/2007	शनि	02/06/2016	बुध	03/06/2030	केतु	15/10/2045
गुरु	09/10/1999	शनि	02/10/2008	बुध	31/05/2017	केतु	21/06/2031	शुक्र	15/06/2048
शनि	20/09/2000	बुध	04/03/2010	केतु	27/10/2017	शुक्र	21/06/2034	सूर्य	03/04/2049
बुध	27/07/2001	केतु	03/10/2010	शुक्र	27/12/2018	सूर्य	16/05/2035	चंद्र	03/08/2050
केतु	02/12/2001	शुक्र	02/06/2012	सूर्य	04/05/2019	चंद्र	14/11/2036	मंगल	10/07/2051
शुक्र	03/12/2002	सूर्य	02/12/2012	चंद्र	03/12/2019	मंगल	02/12/2037	राहु	02/12/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/12/2053		02/12/2072		02/12/2089		02/12/2096		03/12/2116	
02/12/2072		02/12/2089		02/12/2096		03/12/2116		00/00/0000	
शनि	05/12/2056	बुध	01/05/2075	केतु	30/04/2090	शुक्र	04/04/2100	सूर्य	23/03/2117
बुध	15/08/2059	केतु	27/04/2076	शुक्र	01/07/2091	सूर्य	04/04/2101	चंद्र	21/09/2117
केतु	23/09/2060	शुक्र	26/02/2079	सूर्य	05/11/2091	चंद्र	04/12/2102	मंगल	27/01/2118
शुक्र	24/11/2063	सूर्य	02/01/2080	चंद्र	05/06/2092	मंगल	03/02/2104	राहु	17/05/2118
सूर्य	05/11/2064	चंद्र	03/06/2081	मंगल	02/11/2092	राहु	02/02/2107		00/00/0000
चंद्र	06/06/2066	मंगल	31/05/2082	राहु	20/11/2093	गुरु	03/10/2109		00/00/0000
मंगल	16/07/2067	राहु	17/12/2084	गुरु	27/10/2094	शनि	03/12/2112		00/00/0000
राहु	22/05/2070	गुरु	25/03/2087	शनि	06/12/2095	बुध	04/10/2115		00/00/0000
गुरु	02/12/2072	शनि	02/12/2089	बुध	02/12/2096	केतु	03/12/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। इस ज्योतिषीय संरचना से यह चित्रित हो रहा है कि आपको परम सौभाग्यशाली होने का वरदान प्राप्त है जिस संयोग से आपकी पत्नी ज्ञानवती होगी जो सन्तति सुख से युक्त आपको गौरवान्वित करती है। परन्तु आप परिवारिक भरण-पोषण का तारतम्य बनाए रखने के लिए तथा आदान-प्रदान हेतु आपको अनुभव करना होगा। आपको घरेलू कार्य कलाप को दो भागों में घोषित करना होगा। प्रथम तो व्यक्तिगत रूप से आप स्वयं है, अन्य आपका व्यक्तित्व। दोनों भागों से परिवारिक भार वहन करना होगा। आप कला विज्ञान के आचार्य है जिसके कारण प्रथमतः जन सामान्य खर्च हेतु अलग खपत करनी होगी। यथा धर्म के प्रति आपकी उत्कंठा एक उदाहरण है। आप जन सामान्य की श्रेणी में उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं।

परन्तु वास्तविकता तो यह है कि आप विश्व विख्यात जलधि के उत्ताल तरंगों पर हिलोरे लेनेवाले प्राणी हैं। आप धरती पर की सभी निधियां बटोर कर लाभान्वित हो आनन्द प्राप्त करने वाले है।

आपको किसी प्रकार की शंका नहीं है कि आप धनी व्यक्ति हैं। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु शक्ति सम्पन्नता से अन्तर ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने उद्देश्य पूर्ण करेंगे, तथा प्रायः आपको निश्चित रूप से धन की प्राप्ति होगी। संयोगवश किसी अवरोधक का सामना करना पड़ा तो आप स्पष्टतः तीव्र संघर्ष प्रारंभ कर देंगे। सत्य तो यह है कि आप किसी भी विपत्ति काल आनन्द प्राप्त करने वाले प्राणी हैं। बुनियादी तौर पर किसी भी प्रकार की अनुचित संरचना के विरूद्ध आचरण करते हैं।

आपका झुकाव शिक्षा के क्षेत्र में है तथा आप उच्चस्तरीय कलाकारिता के क्षेत्र में है। अतः आप व्यवसायों में जेनरलिस्ट, पुस्तक प्रकाशन, प्रचार-प्रसार कार्य अथवा वाद्य यंत्र निर्माण विक्रय तथा बीमा एजेन्सी का कार्य अनुकूल है।

आपके स्वास्थ्य से संबंधित विचारणीय यह है कि आपको संपूर्ण जीवन अपने स्वास्थ्य के संबंध में सतर्क रहना पड़ेगा। आपको खासकर अपनी आयु के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष की अवधि में कुछ विशेष ध्यान रखना होगा। आपके जन्म कालिक ग्रह संयोग से ऐसा संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप ट्यूमर, सुजाक अथवा गुप्तांग रोगादि के प्रति सख्ती बरतनी चाहिए। अन्तोगत्वा मुख्यतः अपनी प्रेमिका की स्मृति में द्रवित हो जाने के बारे में पूर्व निर्देश है कि इस प्रकार के आचरण से आपका वासनात्मक आनन्द कष्टदायक हो जाएगा।

आपको अपने उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति नकारात्मक रूख अपनाएं अन्यथा आपका तंत्रीय प्रणाली प्रभावित हो सकता है। आपको उच्चस्तरीय प्राणी के समान-आचरण कर शान्ति पूर्वक विश्राम ग्रहण करे। आपके लिए विश्रांति अनिवार्य है। आपके लिए निम्नांकित लाभजनक निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4, 7 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए रंगों में रंग लाल, नारंगी क्रीम एवं पीला रंग अनुकूल हैं। परन्तु रंगों में रंग हरा, सफेद एवं नीला रंग प्रतिकूल है।